एम एस टी सी
लिमिटेड
(भारत सरकार का उपक्रम)
MSTC LIMITED
(A Govt. Of India Enterprise)
CIN : U27320WB1964GOI026211
225C, A.J.C BOSE ROAD, KOLKATA - 700 020, INDIA
PHONE : 91-33-2290-0964, 2287-9627 / 7557 / 0568
FAX : 2287-8547/2290-7211/2281-3089, 2287-4915(ERO)
website : www.mstcindia.co.in • www.mstcecommerce.com

21st August, 2019

MSTC/CS/SE/37

1. The Dy.Manager (Listing)
BSE Limited
PhirozeJeejeebhoy Towers,
Dalal Street, Mumbai 400 023.
(Scrip Code: 542597)

2. The Manager, Listing Department
National Stock Exchange of India Limited
Exchange Plaza, BandraKurla Complex
Bandra (E), Mumbai 400 051
(Scrip Code: MSTCLTD)

Dear Sirs,

Sub: **Disclosure under Regulation 30 of SEBI (Listing Obligation & Disclosure requirements) Regulations 2015**

This is to inform you that Uttar Pradesh State Government has extended the agreement with MSTC Limited for e-Tendering cum e-Auction of Minor Minerals Blocks (Sand and Morrum) and insipu Rocks Blocks for another one (1) year.

Copy of Newspaper cutting is attached for your information.

This is for your information and records.

Thanking you,

Yours faithfully,

For **MSTC Limited**

(Ajay Kumar Rai)
Company Secretary & Compliance Officer

एमएसटीसी करती रहेगी खनन क्षेत्रों की ई-नीलामी

अमर उजाला ब्यूरो

लखनऊ। प्रदेश कैबिनेट ने उप खनिजों व इमारती पत्थरों के क्षेत्रों की ई-टेंडर सह ई-नीलामी के लिए नामित नोडल एजेंसी एमएसटीसी लि. की जिम्मेदारी एक साल के लिए और बढ़ा दी है। एमएसटीसी केंद्र सरकार के इस्पात मंत्रालय के तहत मिनी रत्न श्रेणी-1 संस्था है।

फैसला 03

कैबिनेट ने संस्था की जिम्मेदारी एक साल के लिए और बढ़ाई

स्वास्थ्य मंत्री सिद्धार्थनाथ सिंह ने बताया कि इस संस्था को पहली बार दो वर्ष के लिए जिम्मेदारी दी गई थी। बालू-मौरंग के लिए टेंडर की अवधि 11 अगस्त को समाप्त हो गई है और इमारती पत्थरों के टेंडर की अवधि 11 दिसंबर को पूरी हो रही है। इस अवधि में संस्था ने बालू-मौरंग के 546 खनन क्षेत्रों तथा गिट्टी व बोल्डर आदि के 374 खनन क्षेत्रों की सफलतापूर्वक नीलामी की। आगे बालू-मौरंग के 400 खनन क्षेत्रों व इमारती पत्थरों के 250 खनन क्षेत्रों को ई-निविदा सह ई-नीलामी के माध्यम से स्वीकृत किया जाना है। कार्य अवधि बढ़ाए जाने से 650 खनन क्षेत्रों की नीलामी की जा सकेगी।